

## कुएं का असली मालिक कौन हैं ?

बादशाह अकबर के दरबार में बनिया रहता था. बनिया के पिता की मृत्यु के पश्चात् उसकी खेतों की देखभाल करने वाला कोई नहीं था. इसलिए बनिए ने निश्चय किया कि वह उसके खेत के पास का कुआं बेचकर पास की जमीन पर एक फेक्ट्री खोलेगा.

यह बात विचार कर उसने अपने खेत के पास के कुएं को एक किसान के हाथ बेच दिया. कुछ दिनों बाद उस बनिए ने एक मिल खोल दी.

बनिए को अहसास हुआ कि उसको मिल के लिए बहुत अधिक मात्रा में पानी चाहिए. उसको लगा कि उसने कुएं को बेचकर शायद गलती कर दी.

बनिए ने दिमाग लगाया और अगले दिन का इंतज़ार करते हुए सो गया.

अगले दिन जब किसान खरीदे गए कुएं से पानी निकालने लगा तो बनिए ने रोक दिया और कहने लगा तुमने तो केवल कुआं खरीदा हैं, पानी को नहीं. तुम्हारा इस पानी पर कोई अधिकार नहीं है.

किसान ने उस बनिए के साथ बहस बाजी की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ.

किसान तुरंत अकबर के दरबार में गया और मदद की गुहार लगाई. बादशाह अकबर ने इस समस्या को निपटाने का भार बीरबल को सौंपा.

बीरबल ने किसान की समस्या को गहराई से समझ लिया और अगले दिन उसको वहां कुएं के पास आने को कहा.

अगले दिन जब किसान पानी निकालने लगा तो फिर बनिए ने उसको रोक दिया. और कहने लगा तुम्हे एक बार में समझ नहीं आता क्या? तुमने कुएं को खरीदा हैं, पानी को नहीं.

बीरबल भी वहीं हाजिर थे. बीरबल ने बनिए से कहा कि – श्रीमान बनिए आप मुझे यह बताइए कि इस कुएं पर किसका अधिकार हैं?

बनिए ने कहा – इस पर इस किसान का अधिकार हैं.

जब ये इस किसान की सम्पति हैं तो आपको इसकी सम्पति में कोई चीज रखने का अधिकार नहीं हैं. जो अगर आप इसकी सम्पति में कोई चीज रखते हो तो आपको किराया देना पड़ेगा.

अगर ये पानी आपका हैं तो आपको इसका किराया देना पड़ेगा, क्या आपको ये मंजूर हैं.

बनिए की बोलती बंद हो गई, और उसने किसी तरह मैं... मैं... कर जान बचाई, और वहां से भाग गया.

कहानी की सीख – जो चीज खुद की नहीं हैं, उस पर कभी अपना हक़ मत जताओ. आज नहीं तो कल वो वापस लौटानी ही पड़ेगी.





<https://pasandhai.in/>

Add a subheading